अंचल में शुरू हुआ ग्रामीणों का पलायन

शासन-प्रशासन के प्रयास धरातल पर साबित हो रहे फिसड्डी

झाबुआ बस स्टैंड से जीपों में सवार होकर गुजरात की और जा रहे ग्रामीण...

नवभारत न्यूज

झाबुआ. आदिवासी बाहुल जिले में ग्रीष्मकाल में शादियों का सीजन समाप्त होने के बाद एक बार पुन: अंचल में ग्रामीणों का काम के लिए पलायन शुरू हो गया है. जिसके चलते इन दिनों जिले के रेल्वे, बसों एवं जीप स्टेंडों पर ग्रामीणों की भारी भीड़ देखने को मिल रहीं है.

ग्रामीणजन अपने परिवार के साथ मजदूरी के लिए गुजरात एवं राजस्थान के बड़े शहरों की और कूच कर रहे है. पलायन को रोकने में शासन-प्रशासन के प्रयास धरातल पर नाकाफी साबित हो रहे है. वहीं शासकीय योजनाओं का संचालन भी ग्रामीणों के पलायन को नहीं रोक पा रहा है. ज्ञातव्य रहे कि प्रतिवर्ष ग्रामीणों का हजारों की संख्या में मजदूरी के लिए गुजरात एवं राजस्थान के बड़े शहरों की और पलायन होता है. ग्रामीण अपने परिवार के साथ मजदूरी के लिए गुजरात के सूरत, राजकोट, अहमदाबाद के साथ राजस्थान के कोटा और उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र आदि राज्यों के बड़े शहरों की और भी जाते है. यहां ग्रामीणों को अच्छा पैसा मिलने के साथ भोजन एवं आवास आदि की सुविधा मिलने से वे बड़ी तादाद में ठेकेदारों के माध्यम से मजदूरी के लिए जाते है. जिस कारण वे महिला के गर्भावस्था में बच्चे को समुचित पोषण आहार नहीं मिलने से कुपोषण का भी शिकार होते है.

> गांवों में शासन की योजनाएं जिला प्रशासन के माध्यम से धरातल पर संचालित हो रहीं है. पलायन को रोकने हेतु मॉनिटरिंग करवाई जाएगी.
>
> **- जितेन्द्रसिंह चौहान,** सीईओ, जिपं झाबुआ

> ग्रामीणजन गुजरात, राजस्थान, उत्तरप्रदेश एवं महाराष्ट्र के बड़े शहरों में कंपनियों, फेक्ट्रीयों में कार्य करने पर पैसा अच्छा मिलने एवं आवास-भोजन आदि की भी सुविधा मिलने से वे यहां जाना उचित समझते है, जबकि जिले में उन्हें कार्य करने पर पर्याप्त मजदूरी नहीं मिल पाती है. इससे बच्चों का शैक्षणिक कार्य भी प्रभावित होता है. ग्रामीणों के पलायन को पूर्णत: रोकने के लिए शासन-प्रशासन और राजनैतिक पार्टियों को धरातल पर कोई ठोस कार्य योजना बनाने एवं पहल करने की आवश्यकता है.

सोनम पर शक और गहराया दो मंगलसूत्र ने बढ़ाई मिस्ट्री

यह उठ रहे सवाल

- राजा के भाई ने सौंपे 16 लाख के गहनों की तस्वीरें
- शिलोम के जरिए बरामद हुए अहम सबूत
- सोनम के बैग से दो मंगलसूत्र मिलने के बाद सवाल उठने लगे
- गहनों की फॉरेंसिक जांच और पहचान प्रक्रिया चल रही

इंदौर. बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में एक बार फिर सोनम रघुवंशी को लेकर संदेह गहराता जा रहा है. इस बार मामला केवल हत्या तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब जांच की दिशा राजा के अलावा किसी और से सोनम की संभावित गुप्त शादी की ओर भी मुड़ रही है.

दरअसल, शिलांग की होटल से दो मंगलसूत्र मिलने के बाद शक और भी गहरा हो गया है. अब राजा के बड़े भाई विपिन रघुवंशी ने दावा किया है कि सोनम को शादी में उनके परिवार द्वारा लगभग 16 लाख रुपए मूल्य के जेवरात भेंट किए थे.

इस खुलासे से एक दिन पहले, मेघालय पुलिस ने रियल एस्टेट कारोबारी शिलोम जेम्स की निशानदेही पर रतलाम में उसके ससुराल से जेवरात, लैपटॉप और अन्य सामग्री बरामद की थी. इस सामान को सबूत नष्ट करने की नीयत से छिपाया गया था. बरामद जेवरों में से कुछ की पहचान करने के लिए मेघालय पुलिस ने विपिन रघुवंशी को बुलाया. उन्होंने पुलिस को राजा और सोनम की शादी में दिए गए गहनों की तस्वीरें सौंपी हैं. हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि बरामद जेवरात उन्हीं में से हैं या नहीं.

सोनम ने कहा था पहनने को... विपिन रघुवंशी ने बताया कि उनका भाई राजा हनीमून के लिए रवाना होते समय सोने की चेन और अंगूठी पहनकर गया था. एयरपोर्ट से राजा ने जो तस्वीरें हमें भेजी थीं, उन्हें देखकर मां ने उसे डांटा था कि इतने कीमती जेवर पहनकर क्यों गया है. इस पर राजा ने जवाब दिया था कि सोनम ने ही ये गहने पहनने को कहा है.

> **क्या आगे होगा?**
>
> मेघालय पुलिस अब सोनम और राज के रिश्ते की डिजिटल जांच कर रही है. बरामद गहनों की फॉरेंसिक जांच और पहचान प्रक्रिया चल रही है. सोनम और अन्य आरोपियों के मोबाइल डेटा, फोटो और वीडियो खंगाले जा रहे हैं. वहीं सोनम के नार्को टेस्ट की मांग भी फिर से उठने लगी है, फिलहाल, राजा रघुवंशी हत्याकांड में सोनम की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो चुके हैं और मामला अब भावनात्मक धोखे से लेकर आर्थिक षड्यंत्र तक की ओर बढ़ता नजर आ रहा है.

बबूल का पेड़ बना बिजली सप्लाई का अड्डा

एमपीईबी शहर बैढ़न से चन्द कदम दूर का मामला

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 2 जुलाई. कचनी बस्ती के नेशनल धर्मकॉटा के पीछे एक हरे-भरे बबूल पेड़ को बिजली सप्लाई का खम्भा बना दिया गया है. ताज्जुब इस बात का है कि एमपीईबी अमला बिजली बिल भी वसूलता है, फिर भी अनजान बना हुआ है. एमपीईबी के इस लापरवाही से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है.

दरअसल जिला मुख्यालय बैढ़न से चन्द कदम दूर कचनी के नेशनल धर्मकॉटा के पीछे एक बबूल के पेड़ को ग्रामीणों के साथ-साथ एमपीईबी अमले ने बिजली खम्भे का रूप दे दिया है.

आलम यह है कि इस बबूल के पेड़ में दो-चार नही, बल्कि आधा सैकड़ा से अधिक खुले तार में कटिया फंसा कर अपने-अपने घर बल्ली के सहारे तार ले गये हैं। बताया जाता है कि एमपीईबी अमले की जानकारी में कटिया तार से घरों में बिजली रोशन हो रही है। हालांकि इन उपभोक्ताओं से एमपीईबी अमला बिजली बिल भी वसूल रहा है। लेकिन एमपीईबी का अमला अपने इस घोर लापरवाही को नजर अंदाज कर दिया है। लिहाजा बबूल का पेड़ बिजली सप्लाई का अड्डा बन जाने से किसी बड़े हादसे की ओर इंगित कर रहा है। शायद हादसा होने के बाद ही एमपीईबी अमले की नींद टूटेगी।

अभी तक मुझे ऐसी कोई जानकारी नही थी. आपके माध्यम से मिल रही है। कल दिन गुरूवार को टीम भेजकर वस्तुस्थिति जानकारी ली जाएगी.

हेमंत चौधरी
कार्यपालन अभियंता, एमपीईबी, बैढ़न

> **मवेशी भी आ सकते हैं चपेट में**
>
> जिस तरह से बबूल के पेड़ में ट्रॉसफॉर्मर से मुख्य सप्लाई कर जुगाढ़ करते हुये कटिया तार के सहारे बिजली घरों में पहुंची है. ऐसे में संभावना व्यक्त की जा रही है कि कभी भी किसी दिन हादसा हो सकता है. आलम यह है कि मवेशी भी तार को टच भी कर सकती है, बच्चों की बात दूर है. एमपीईबी अमला इस तरह की घोर लापरवाही क्यों बरत रहा है. यह बात लोगों से समझ से परे है. वही सवाल उठाया जा रहा है कि क्या एमपीईबी अमला आर्थिक तंगी से जुझ रहा है.

4 किलो गांजे के आरोपी को 3 वर्ष की सजा, 25 हजार का अर्थदंड

नवभारत, न्यूज

दमोह.न्यायालय अमर गोयल, विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट दमोह की अदालत ने आरोपी रामस्वरूप उर्फ भूरा अहिरवार निवासी ग्राम, सुरई, जबेरा को एनडीपीएस एक्ट में 03 वर्ष की अवधि का सश्रम कारावास व 25,000 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया.

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी सतीश कपस्या ने बताया कि पुलिस थाना - नोहटा, जिला दमोह में पदस्थ उपनिरीक्षक/जप्तीकर्ता अधिकारी बद्री प्रसाद प्यासी अ.सा. 13 को 22 जनवरी 2021 को वाहन चैकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुयी कि जबेरा तरफ से दो व्यक्ति एक बिना नंबर की बाइक से गांजा लेकर नोहटा तरफ आ रहे थे, जिस सूचना की तस्दीक हेतु उसने हमराह स्टाफ प्रधान आरक्षक स्व.मणिभाई, आरक्षक रोहित, कृष्णकांत, रविकांत, शुभम चौबे मय शासकीय वाहन क. एमपी 03 ए 6106 के चालक आरक्षक अनिकेत को साथ लेकर अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर मुखबिर सूचना का पंचनामा तैयार किया, चैकिंग के दौरान मौके पर उपस्थित राहगीर इब्राहिम अ.सा. 2 को सूचना से अवगत कराया गया तथा सर्च वारण्ट प्राप्त न कर सकने संबंधी पंचनामा तैयार कर जरिये आरक्षक शुभम चौबे एसडीओपी तेन्दूखेड़ा को लिखित तहरीर भेजी.

अंतर्राज्यीय 2 चोर गिरफ्तार, माल बरामद

मल्हारगढ़ पुलिस को मिली बड़ी सफलता

मल्हारगढ़. थाना मल्हारगढ़ पुलिस ने स्टेशन रोड मल्हारगढ़ एवं ग्राम बरखेड़ा पंथ में हुई दो बड़ी चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए दो अंतरराज्यीय चोरों को गिरफ्तार कर लगभग 7 लाख रुपये की चोरी गई सामग्री बरामद की है.

पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद के निर्देशन एवं एएसपी गौतम सोलंकी व एसडीओपी नरेन्द्र सोलंकी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी राजेन्द्र पंवार के नेतृत्व में गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र एवं सायबर सेल की मदद से आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की.

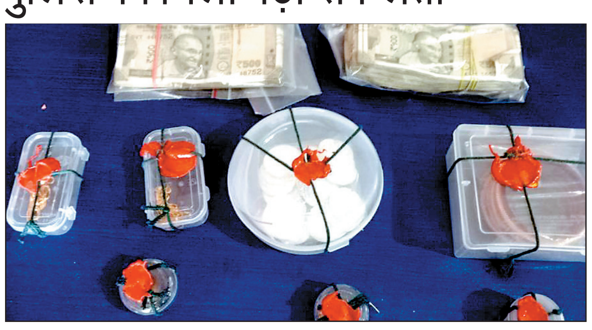

गिरफ्तार आरोपी मनीष बाछड़ा निवासी बर्डिया (नीमच) एवं सुनार रवि सोनी निवासी जावद (नीमच) के पास से सोने-चांदी के जेवरात, नकदी व चोरी में प्रयुक्त अपाचे बाइक बरामद की गई. आरोपी मनीष ने बरखेड़ा पंथ और मल्हारगढ़ में चोरी की बात स्वीकार की, जबकि उसका साथी मनीष रोशन बाछड़ा फरार है. बरामद सामग्री में सोने की चेन, अंगूठियां, टॉप्स, चूड़ियां, 25 चांदी के सिक्के और कुल 1.10 लाख रुपये नगद शामिल हैं. पुलिस ने लगभग 6.50 लाख रुपये का माल जब्त किया है.

पुलिस का कहां जोर है, गली-गली में 'आर' सट्टा कंपनी का शोर है

शाजापुर, 2 जुलाई. शाजापुर के सटोरिये शहर की पुलिस के लिए जादूगर साबित हो रहे हैं. शहर की गली-गली में सट्टे का शोर है, लेकिन पुलिस का इन पर नहीं चल रहा कोई जोर है. यह पहला अवसर होगा जब सटोरियों से पुलिस को बंदी नहीं मिल रही है.

या यूं कहें कि पुलिस बंदी नहीं ले रही है, लेकिन सटोरियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा है. वे अपने ओपन-टू-क्लोज के धंधे में दिन दोगुनी, रात चौगुनी तरक्की कर रहे हैं. शहर में आर कंपनी की लॉन्चिंग के बाद शहर का ऐसा कोई कोना नहीं है, जहां खाईवाल न हो.

गौरतलब है कि शाजापुर शहर में आर सट्टा कंपनी धूम मचा रही है. कसेरा बाजार से लेकर नईसडक़, नईसडक़ से लेकर बस स्टैंड, बस स्टैंड से लेकर काछीवाड़ा, धानमंडी से किला रोड, महूपुरा से लेकर पटेलवाड़ी, लक्ष्मी नगर से लेकर विजय नगर, स्टेशन रोड से लेकर धोबी चौराहा, तालाब की पाल से लेकर गिरवर, डांसी रोड से लेकर बेरछा रोड. याने कि शहर का ऐसा कोई कोना नहीं है, जहां आर सट्टा कंपनी का शोर नहीं है. जिस हिसाब से शाजापुर में बेखौफ सट्टा चल रहा है. उसे देखकर तो ऐसा लग रहा है मानो सटोरियों की पहुंची बहुत कडक़ आदमी से है.

ब्राह्मणी नदी खतरे के निशान से ऊपर

नीमच. मंगलवार रात 12 बजे से नीमच जिले के सिंगोली क्षेत्र में भारी बारिश जारी है. बारिश ने पूरे क्षेत्र को प्रभावित किया है. निचली बस्तियों में पानी भर गया है. सिंगोली-नीमच मार्ग पर यातायात पूरी तरह रुक गया है. क्षेत्र की सभी नदियां और नाले उफान पर हैं.

सिंगोली नगर की प्रमुख ब्राह्मणी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है. शहर की चारों दिशाओं से आने-जाने वाले रास्ते जलभराव के कारण बंद हैं. रतनगढ़ क्षेत्र की गुंजाली नदी भी उफान पर है.

नगर परिषद रतनगढ़ की सफाई व्यवस्था की कमियां सामने आई हैं. शहर के मुख्य चौराहों और गलियों में जलजमाव हो गया है. सडक़ों पर पानी भरने से वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. सिंगोली, रतनगढ़ और आस-पास के क्षेत्रों में करीब डेढ़ से दो घंटे तक बिजली गुल रही. मोरवन डैम का जलस्तर बढक़र 34 फीट हो गया है. मौसम विभाग ने अगले 24 से 48 घंटों तक इसी तरह की स्थिति बने रहने की संभावना जताई है. रतनगढ़ के वार्ड क्रमांक 2 में घरों में पानी घुसने के बाद स्थानीय लोगों ने विरोध किया. इसके बाद नगर परिषद के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और बारिश में भी पानी निकासी का काम कर रहे हैं.

बाइक सवार को कार ने कुचला, एक की मौत

उज्जैन. बाइक सवार दो दोस्तों को रात में तेज गति से आई कार ने कुचल दिया. दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए उन्हें उपचार के लिए उज्जैन निजी अस्पताल लाया गया. जहां कुछ घंटे चले उपचार के बाद एक की मौत हो गई. माधव नगर थाना पुलिस ने बताया कि जहांगीरपुर बडनगर का रहने वाला लाखन पिता कालू सिंह 25 वर्ष अपने दोस्त राजवीर के साथ इंगोरिया आया था जहां से दोनों वापस बाइक से लौट रहे थे. बीच रास्ते में तेज गति से आई कार ने उन्हें कुचल दिया. दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए चालक कार लेकर मौके से भाग निकला. लोगों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए उज्जैन भेजा गया.

खेत में फिर हो रही बैलों की वापसी

अब जुताई नहीं निराई और बुवाई का हो रहा कार्य

सुसनेर, 2 जुलाई. भारतीय कृषि में खेतों से गायब हो चुके बैलों की वापस अब खेतों में वापसी हो रही है. पर इस बार बैलों से जुताई के कार्य के बदले उनसे निराई और बुवाई का कार्य लिया जा रहा है.

आधुनिक युग में भी आज भी कई किसान ऐसे हैं, जो पारम्पारिक और जैविक खेती पर जोर दे रहे हैं. साथ ही अन्य किसानों को भी इसके प्रति जागरूक कर रहे हैं. भारतीय कृषि ने तकनीक के बदलाव के साथ ही कई दौर देखे हैं. क्योंकि एक वक्त था, जब खेती किसानी में बैल का सबसे अधिक इस्तेमाल होता था. फिर धीरे-धीरे ट्रैक्टर का इस्तेमाल बढ़ता गया और बैल के साथ बैलगाड़ी भी धीरे-धीरे प्रचलन से हटती गई. पर एक बार फिर से तकनीक के इजाद के साथ अब खेतों में बैल दिखाई देने लगे हैं. समीपस्थ ग्राम नांदना, कायरा, बढिया, माणा, मोड़ी, पायली, अंतरालिया, धारूखेड़ी, कजलास, पालड़ा, पटपड़ा, मानलनवासा सहित ग्रामों में हो रहा है. नांदना के किसान रामचन्द्र ने बोवनी बैलों के माध्मय से ही की है और इन्हीं के सहारे वे अपनी पूरी फसल को तैयार करेंगे.

उपयंत्री-सहायक यंत्री ने निकाली राशि

मंदसौर. सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन द्वारा उपयंत्री के एल मीणा एवं सहायक यंत्री संजीत आर्य जनपद पंचायत गरोठ को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया है. उपयंत्री एवं सहायक यंत्री द्वारा निस्तार तालाब निर्माण सुराखेडी से नलखेडा रास्ते पर एवं पाउड पोड निर्माण विशन्या रोड के पास कार्य पर बिना मूल्यांकन के आधार पर व्यय राशि आहरित की गई जो कि नियम विरूद्ध होकर कार्य पर किया गया व्यय वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में होना पाया गया. ग्राम पंचायत में ग्राम सभाओं की बैठक भी आयोजित नहीं की गई. मध्यप्रदेश पंचायत राज अधिनियम अंतर्गत काम-काज के संचालन की महत्वपूर्ण प्रक्रिया धारा 44 के प्रावधान का पालन नहीं किया गया है.

पूर्व मंत्री सुरेश व्यापारियों से सॉरी बोलने एसपी ऑफिस पहुंचे

शिवपुरी. दो दिन पहले कोर्ट रोड पर एक व्यापारी के साथ हुई मारपीट और दुर्व्यवहार के विरोध में शहर के व्यापारी एसपी दफ्तर पहुंचे. यहां उन्होंने कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए एसपी अमन सिंह राठौर से सुरक्षा बढ़ाने की गुहार लगाई.

व्यापारियों का आरोप था कि इस घटना में पोहरी के पूर्व विधायक सुरेश राठखेड़ा के भतीजे का नाम सामने आ रहा है, जिससे वे काफी डरे हुए थे. व्यापारी एसपी से अनुरोध कर रहे थे कि व्यापारी अब सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं. यातायात व्यवस्था सुधारने और सुरक्षा बढ़ाने पर एसपी ने मामला गंभीरता से लिया और थाना प्रभारी को बाजार में चौकसी बढ़ाने का निर्देश दिया. जब व्यापारी एसपी दफ्तर से बाहर आ रहे थे, तो उनकी मुलाकात पूर्व मंत्री सुरेश राठखेड़ा से हुई. व्यापारियों ने इस घटना पर अपनी नाराजगी जाहिर की, जिसके बाद पूर्व मंत्री ने कहा, आप मुझे अच्छे से जानते हैं, ऐसी घटनाएं पांच साल में कभी नहीं हुईं. फिर उन्होंने सॉरी कहकर बात को समाप्त किया.

कांग्रेस ने डीजीपी के नाम सौंपा ज्ञापन

रीवा. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के विरूद्ध पुलिस थाना मुंगावली में दर्ज की गई झूठी एफआईआर को निरस्त करने कांग्रेस कमेटी ने डीजीपी के नाम ज्ञापन पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एएसपी को सौपा. कांग्रेस प्रदेश भर में विरोध दर्ज कर रही है. शहर कांग्रेस अध्यक्ष लखनलाल खंडेलवाल के नेतृत्व में डीजीपी के नाम ज्ञापन सौंपकर एफआईआर निरस्त करने की मांग की गई है. यदि एफआईआर निरस्त नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी. इस मौके पर महापौर अजय, विमलेन्द्र, विद्यावती, गुरूमीत, शीला, कविता, विनोद, शिवप्रसाद, बबिता, डॉ अरूणा, कुंवर सिंह, वसीम, मानवेन्द्र, सज्जन धर्मेन्द्र तिवारी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे.

लापरवाही ▶ भ्रष्टाचार की सड़क : गड्ढा ऐसा कि ट्रक भी समा जाए, प्रशासन में मचा हड़कंप

15 दिन पहले बनी 18 करोड़ की सड़क 7वीं बार धंसी

ग्वालियर. मध्य प्रदेश के ग्वालियर में भ्रष्टाचार की पोल वक्त खुल गई जब 18 करोड़ की लागत से बनी सड़क धंस गई. ऐसा पहली या दूसरी बार नहीं बल्कि सातवीं बार हुआ है. हैरान करने वाली बात यह है कि इसे 15 दिन पहले ही बनाया गया था.

दरअसल, यह सिंधिया महल के पास चेतकपुरी रोड में भ्रष्टाचार का यह ताजा उदाहरण देखने को मिला है. इस सड़क पर इतने बढे गड्ढे हो गए थे, जैसे किसी दूसरी जगह जाने के लिए सुरंग बना दी गई हो. भारी बारिश होने पर गड्ढों में पानी भर जाने पर सड़क पर वाहन चलाने वाले दुर्घटना का शिकार हो सकते थे.

हालांकि, मामला बढ़ने पर कलेक्टर ने इस मामले पर संज्ञान लिया और इसका पैच वर्क करवाया. लेकिन अब गौर करने वाली बात यह है कि लगातार सड़कों के उखड़ने से न सिर्फ जनता को परेशानी होती है. बल्कि इसे बार-बार सुधरवाने में आम जनता के टैक्स के पैसे व्यर्थ बहाए जाते हैं. कलेक्टर रुचिका चौहान ने कहा, चेतकपुरी रोड की जांच करने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए हैं. इस्तेमाल की गई सामग्री का पता लगाने के लिए नमूने प्रयोगशाला में भेजे गए हैं और यदि कोई गंभीर अनियमितता पाई जाती है, तो कार्रवाई की जाएगी.

> **प्रभारी मंत्री सिलावट कल करेंगे निरीक्षण**
>
> प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बरसात के कारण क्षतिग्रस्त हुई ग्वालियर शहर की सड़कों की मरम्मत का कार्य लगातार व अभियान बतौर करने के निर्देश नगर निगम एवं सड़कों के निर्माण से जुड़े अन्य विभागों के अधिकारियों को दिए हैं. उन्होंने कहा है कि वे 4 जुलाई को ग्वालियर जिले के प्रवास पर आयेंगे और शहर का दौरा कर सड़कों का बारीकी से जायजा लेंगे. जिन बस्तियों में बरसात की वजह से जल भराव की स्थिति बन रही है वहाँ पर पानी की निकासी के लिये विशेष इंतजाम करने के निर्देश भी नगर निगम के अधिकारियों को दिए हैं. साथ ही जोर देकर कहा है कि सड़क मरम्मत व जल निकासी के काम में कोई ढिलाई न हो. वे 4 जुलाई को ग्वालियर प्रवास के दौरान नगर निगम, लोक निर्माण, सड़क विकास प्राधिकरण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं अन्य योजनाओं के तहत बनाई गईं सड़कों का निरीक्षण करेंगे.

पशु चिकित्सालय की भूमि पर अतिक्रमण

चिकित्सा अधिकारी ने एसडीएम देवसर को लिखा पत्र

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 2 जुलाई. पशु चिकित्सालय देवसर परिसर पर अतिक्रमणकारियों का दायरा बढ़ता जा रहा है, इनके कारण पशु चिकित्सालय के कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है. अतिक्रमण हटाने के लिए ब्लॉक की पशु चिकित्सा अधिकारी ने उपखंड अधिकारी को एक पखवाड़े पहले पत्र भी लिखा था.

एसडीएम को लिखे पत्र में पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनामिका विश्वकर्मा ने कहा कि पशु चिकित्सालय देवसर की जमीन पर लकड़ी फर्नीचर, टायर तथा पंचर की दुकानों के साथ बगल में स्थित होटल संचालक द्वारा अतिक्रमण किया गया है। होटल से परिसर में गंदगी भी फैलाई जाती है, जिससे पशु चिकित्सालय का कार्य बाधित होता है. जिसमें पशु चिकित्सालय देवसर का कार्य बिना बाधा के संचालित हो.

> जानकारी के अनुसार सीधी-सिंगरौली नेशनल हाईवे के बगल में स्थित इस पशु चिकित्सालय परिसर में अतिक्रमणकारियों ने पहले एक दो दुकानें बनाई, इसके बाद धीरे-धीरे परिसर पर ही कब्जा कर लिया. इस क्रम में रास्ता तक जाम कर दिया, होटल संचालित होने लगे हैं, जिससे परिसर के चारों ओर गंदगी फैलने लगी है. टायर की दुकान भी संचालित है, कुछ पहले से भी संचालित हैं. जहां पर वाहनों का ठहराव लगा रहता है, जिससे व्यवस्था प्रभावित हो रही है.